दुधवा टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में स्थित **दुधवा टाइगर रिज़र्व** में 6–7 महीने के एक **तेंदुए के शावक** की अज्ञात **न्यूरोलॉजिकल विकार के कारण** उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **दुधवा टाइगर रिज़र्व के बारे में:**
  - यह उत्तर प्रदेश के **तराई क्षेत्र** में स्थित है। इसे **प्रोजेक्ट टाइगर** के अंतर्गत वर्ष **1988** में एक टाइगर रिज़र्व के रूप में स्थापित किया गया था।
- **संरचनात्मक क्षेत्र:**
  - इस रिज़र्व में **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान**, **किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य** और **कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य** शामिल हैं।
  - इसमें **साल वनभूमि, दलदली घासभूमि, शुष्क नदी घासभूमि** और **ऑक्सबो झीलों** का मिश्रण पाया जाता है।
- **भौगोलिक विशेषताएँ:**
  - यह रिज़र्व उत्तर में **मोहना नदी** और दक्षिण में **शारदा नदी** से घिरा है, जबकि **कतर्नियाघाट** से **गेरवा नदी** बहती है।
- **जैवविविधता:**
  - यह एक **जैवविविधता हॉटस्पॉट** है, जहाँ परस्पर जुड़ी **खाद्य शृंखलाएँ और जाल विद्यमान** हैं।
- **जीव-जंतु:**
  - इस रिज़र्व में **बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा, दलदली हिरण, तेंदुआ** तथा अनेक पक्षी-प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
    - **अखिल भारतीय बाघ गणना 2022** में **दुधवा टाइगर रिज़र्व** देश में चौथे स्थान पर रहा, जहाँ लगभग 135 बाघ और 180 तितली प्रजातियाँ पाई गईं।
- **वनस्पति:**
  - यहाँ **साल (Shorea robusta) वनों** का प्रभुत्व है, इसके अतिरिक्त **आर्द्रभूमि**, **घासभूमि** और **नदी तटीय वनस्पतियाँ** पाई जाती हैं।]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dudhwa-tiger-reserve-2